Round 1
वे कौन थे ?

JINAM PATHSHALA
वे कोन थे जिन्होने धर्म प्रभावना हेतू स्वयं बलिदान देकर अपने भाई के प्राणो की रक्षा की थी ???

JINAM PATHSHALA
निकलंक

वे कोन थे जिन्होने अपने घर मे चोरी करते हुये चोर की भी सहायता की थी ???

JINAM PATHSHALA
पं बनारसदासजी

JINAM PATHSHALA

वे कोन थे जिन्होने अपने विवाह के अगले दिन ही दीक्षा धारण की थी ???

JINAM PATHSHALA
जम्बूस्वामी

वे कोन थे जिनके पिता और पुत्र दोनों कामदेव थे ???

JINAM PATHSHALA
श्रीकृष्ण

JINAM PATHSHALA
वे को थे जो अपने भाई की मृत्यु की खबर सुनके स्वयम मृत्यु को प्राप्त हो गए थे ???

JINAM PATHSHALA
लक्ष्मण

JINAM PATHSHALA
नन्दा और सुनन्दा के ससूर जी कोन थे ???

JINAM PATHSHALA
राजा नाभिराय

JINAM PATHSHALA
वे कोन थे जिनके निमित्त से द्वारिका जल कर भस्म हो गयी थी ???

JINAM PATHSHALA
द्विपायन मुनि

JINAM PATHSHALA
सबसे कम समय मे केवली हुये तीर्थंकर कोन थे ???

JINAM PATHSHALA
मल्लिनाथ जी

वे कोन थे जिन्होने पूर्व भाव मे ग्वाले की पर्याय मे मुनिराज को शास्त्र दान दिया ???

JINAM PATHSHALA
कुन्दकुंद स्वामी

वे कोन थे जो जो जूठ बोलने के कारण सिंहासन सहित नरक मे गए थे ...???

JINAM PATHSHALA
राजा वसु

Round 2
सबसे स्मार्ट कौन ?

कौनसा रंग सही नहीं है

जो जीव है उसको पहिचाने

"निज निधि निज में बताई यह अनंत उपकार है"
पंक्ति में किसका उपकार बताया है ?

A.

B.

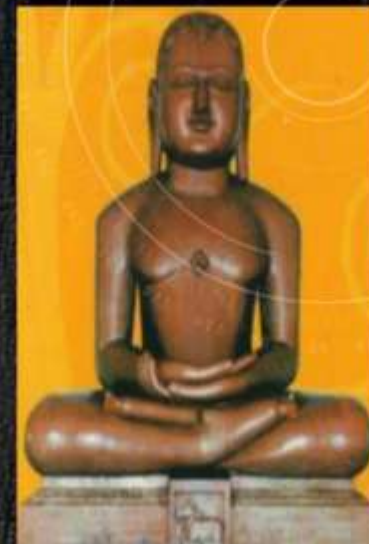

C.

D.

वायु एकेन्द्रिंय जीव है ,तो हवा को छोड़
के वायुकायिक जीव कहां है ।

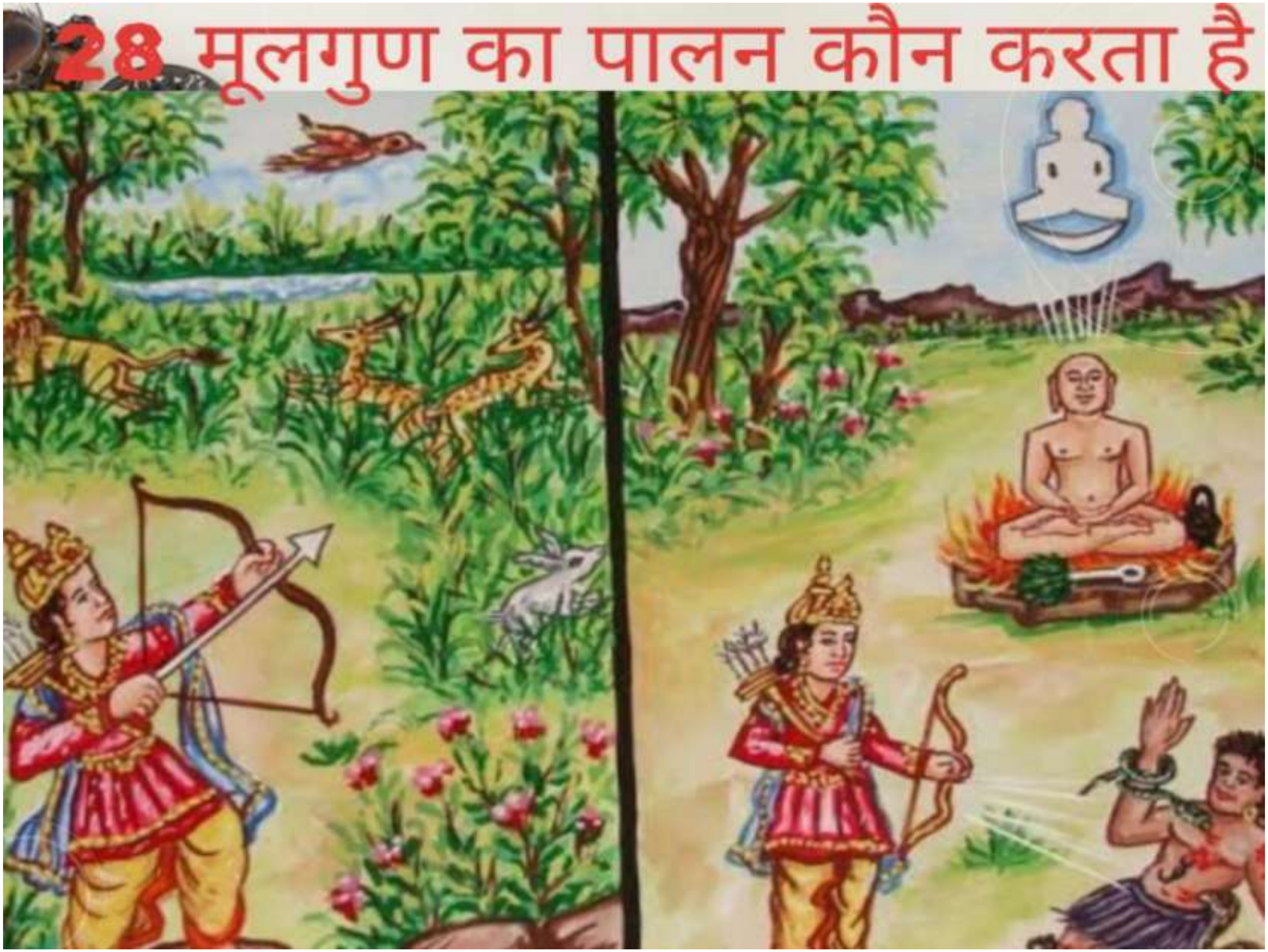
28 मूलगुण का पालन कौन करता है

सम्यक दर्शन की प्राप्ति में
अपात्र जीव।

इसमें तिर्यंच गति के कितने जीव है

1 2 3

धर्म द्रव्य किसमें निमित्त है

तीन लोक कहाँ झलक रहे है

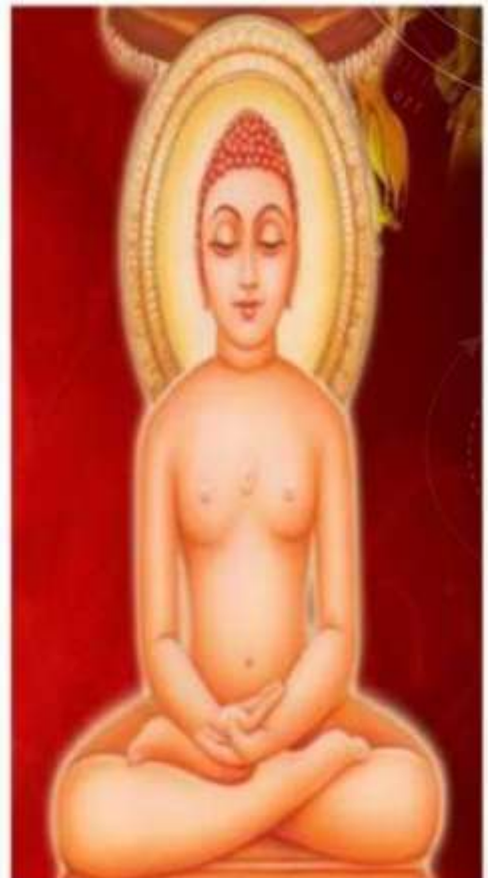

कौनसा रंग कृष्ण लेश्या को दर्शाता है

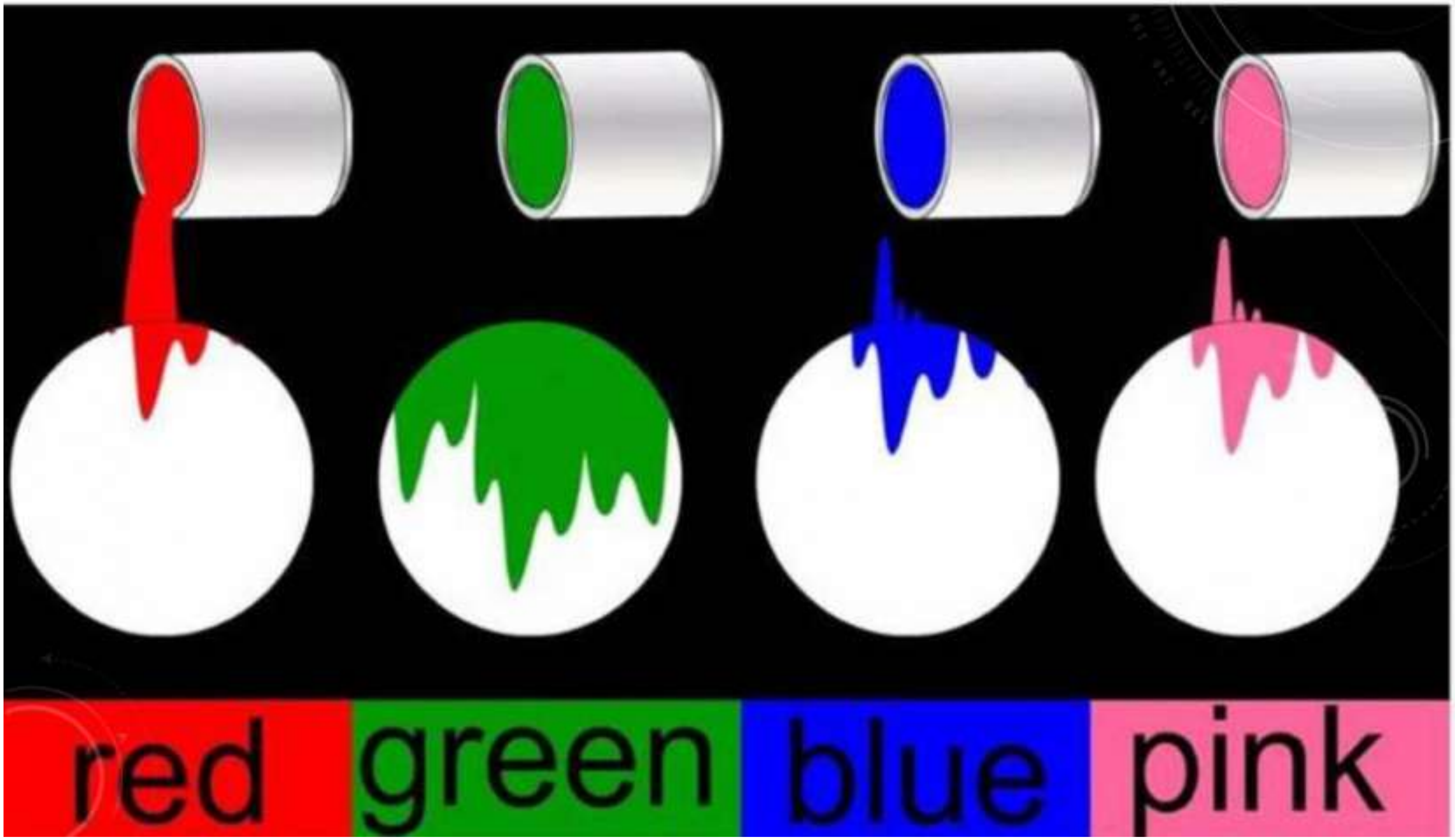

Round 3
हमारे ग्रन्थ

1. यह ग्रन्थ अपूर्ण ही रह गया था

2. इस ग्रंथ में 9 अधिकार हैं|

3. यह ग्रन्थ मूलत: ढूंढारी भाषा में लिखा गया था, बाद में बहुत सी भाषायों में इसके अनुवाद हुये

4. इस ग्रन्थ के लेखक को हाथी के पैर के नीचे कुचल वा दिया गया था

मोक्षमार्ग प्रकाशक

1. इस ग्रंथ को दो आचार्यों ने लिखा था

2. यह प्रथम शताब्दी में लिखा गया था

3. इस ग्रंथ के लेखकों के गुरू आचार्य धरसेन थे

4. इस ग्रंथ में 6 खण्ड हैं

5. इस ग्रन्थ का मंगलाचरण णमोकार मंत्र है

षटखंडागम

1. यह चरणानुयोग का बहुत ही प्रसिद्ध ग्रन्थ है
2. इस ग्रन्थ में 8 अधिकार हैं
3. इस ग्रन्थ के लेखक द्वारा अरहंत भगवान की भी परीक्षा की गई है|
4. इस ग्रन्थ के लेखक आचार्य को भस्मक व्याधि रोग भी हो गया था

रत्नकरंड श्रावकाचार

1. इस ग्रन्थ के लेखक का दुसरा ग्रन्थ समाधितन्त्र भी है

2. इसमें कुल 51 श्लोक ही हैं|

3. इस ग्रन्थ के अंत में जीव जुदा पुद्गल जुदा, यही तत्त्व का सार बताया गया है

4. यह आचार्य पूज्यपाद स्वामि द्रारा रचित ग्रन्थ है|

इष्टोपदेश

1. यह एक प्रथमानुयोग का ग्रन्थ है
2. इस ग्रन्थ के तीन भाग है|
3. यह आचार्य रविषेण द्वारा रचित है|
4. इसमें वर्णित कथा मुनिसुव्रत नाथ तीर्थंकर के काल के किसी महापुरुष से सम्बन्धित है|
5. इसकी कथा राम रावण के युद्ध पर आधारित है

पद्मपुराण

1. इस ग्रन्थ में 96 छन्द हैं|

2. इस ग्रन्थ में संसार से लेकर मोक्ष तक की यात्रा का वर्णन मिलता है

3. इसको छोटा समयसार भी कहा जाता है|

4. इसके रचयिता पं. दौलतराम जी हैं

छहढाला

1. यह द्वितीय शताब्दी का ग्रन्थ है|

2. यह संस्कृत भाषा का सर्वप्रथम ग्रन्थ है|

3. इस ग्रन्थ के लेखक आचार्य का नाम गृद्धपिच्छाचार्य भी था|

4. यह ग्रन्थ सूत्रात्मक रूप में लिखा गया है|

5. इस ग्रन्थ का दूसरा नाम मोक्ष शास्त्र भी है|

तत्वार्थसूत्र

1. इस ग्रन्थ में जीव और अजीव द्वारा नाटक का मंचन किया गया है।

2. इस ग्रन्थ में 10 अधिकार हैं

3. इस ग्रन्थ में मुख्य रूप से एकत्व विभक्त आत्मा को चर्चा का विषय बनाया गया है।

4. इस ग्रन्थ की टीका आचार्य जयसेन द्वारा भी की गई है

5. इस ग्रन्थ में 415 गाथाएँ हैं

समयसार

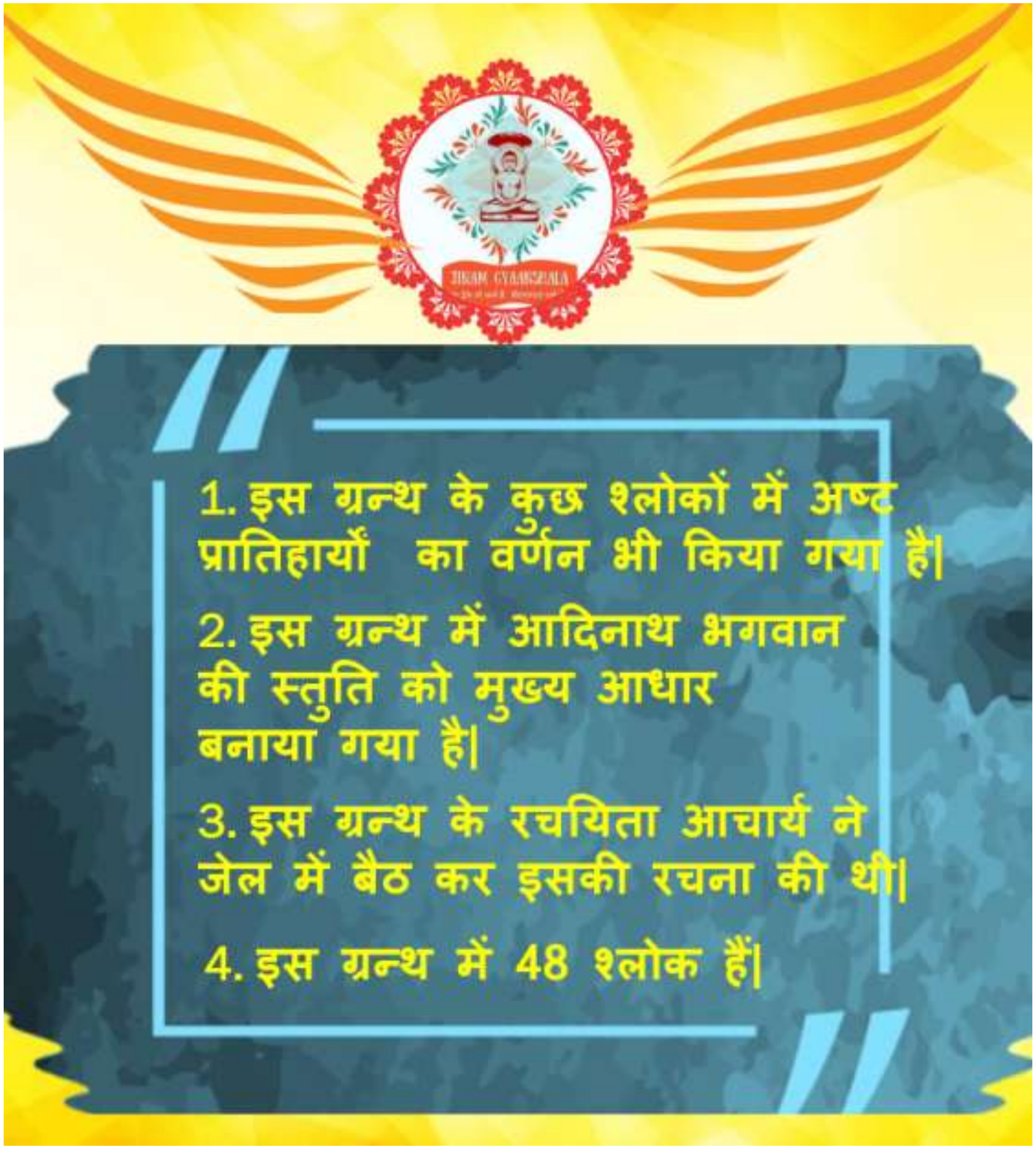
1. इस ग्रन्थ के कुछ श्लोकों में अष्ट प्रातिहार्यों का वर्णन भी किया गया है|
2. इस ग्रन्थ में आदिनाथ भगवान की स्तुति को मुख्य आधार बनाया गया है|
3. इस ग्रन्थ के रचयिता आचार्य ने जेल में बैठ कर इसकी रचना की थी|
4. इस ग्रन्थ में 48 श्लोक हैं|

भक्तामर

1. यह ग्रन्थ दो भागों में है|
2. यह करणानुयोग का प्रसिद्ध ग्रन्थ है|
3. यह ग्रन्थ राजा चामुण्डराय के निवेदन से लिखा गया था|
4. इस ग्रन्थ पर पं. टोडरमल जी भाषा टीका भी लिखी है|
5. यह ग्रन्थ आचार्य नेमिचन्द्र सिद्धान्त चक्रवर्ती द्‌वारा रचित है|

गोम्मटसार

Round 4
similar word song

१- दिव्यध्वनि – ओमकारमयी / जिनवाणी =

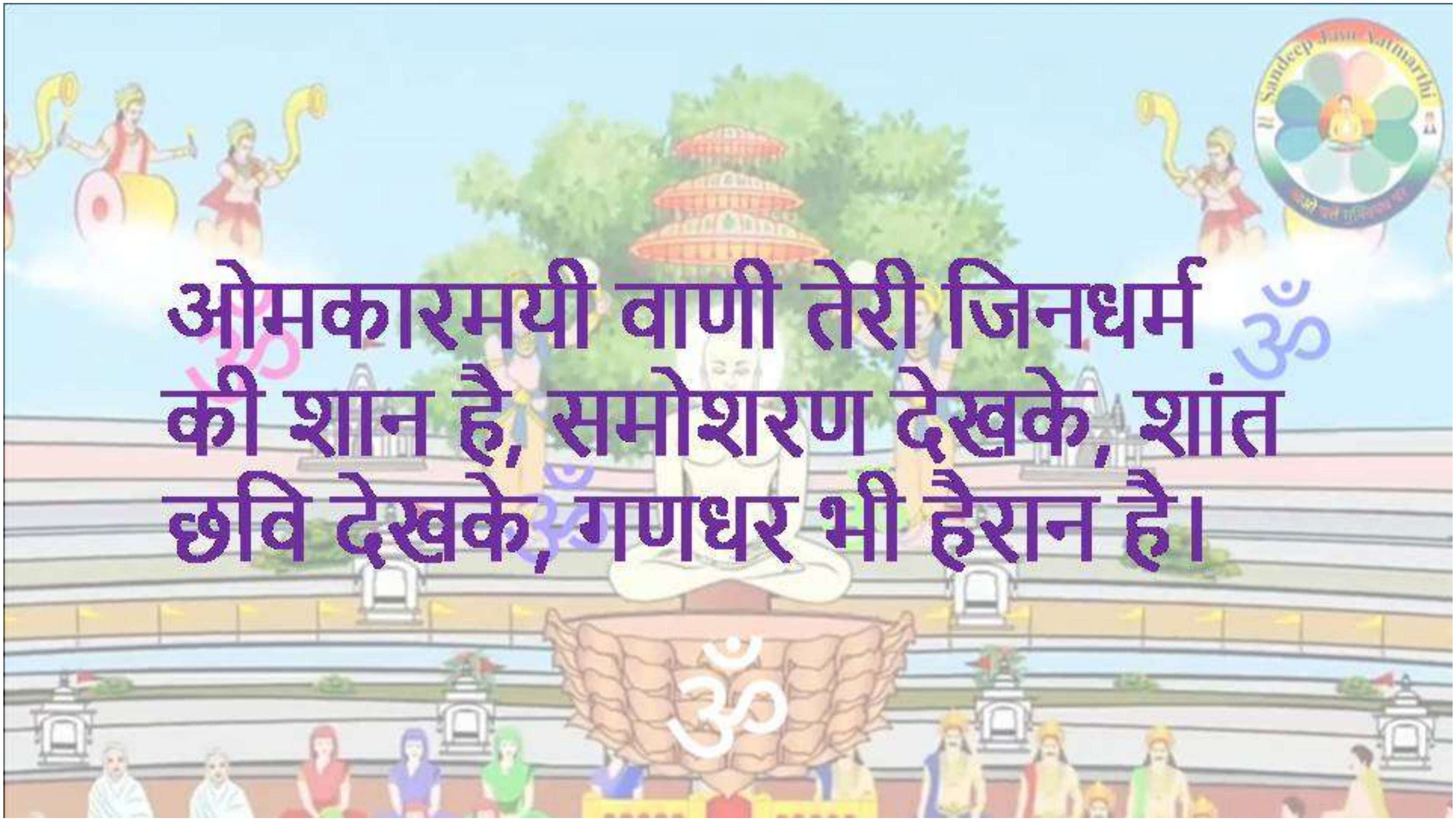
ओमकारमयी वाणी तेरी जिनधर्म
की शान है, समोशरण देखके, शांत
छवि देखके, गणधर भी हैरान है।

२- मुक्त -मोक्ष =

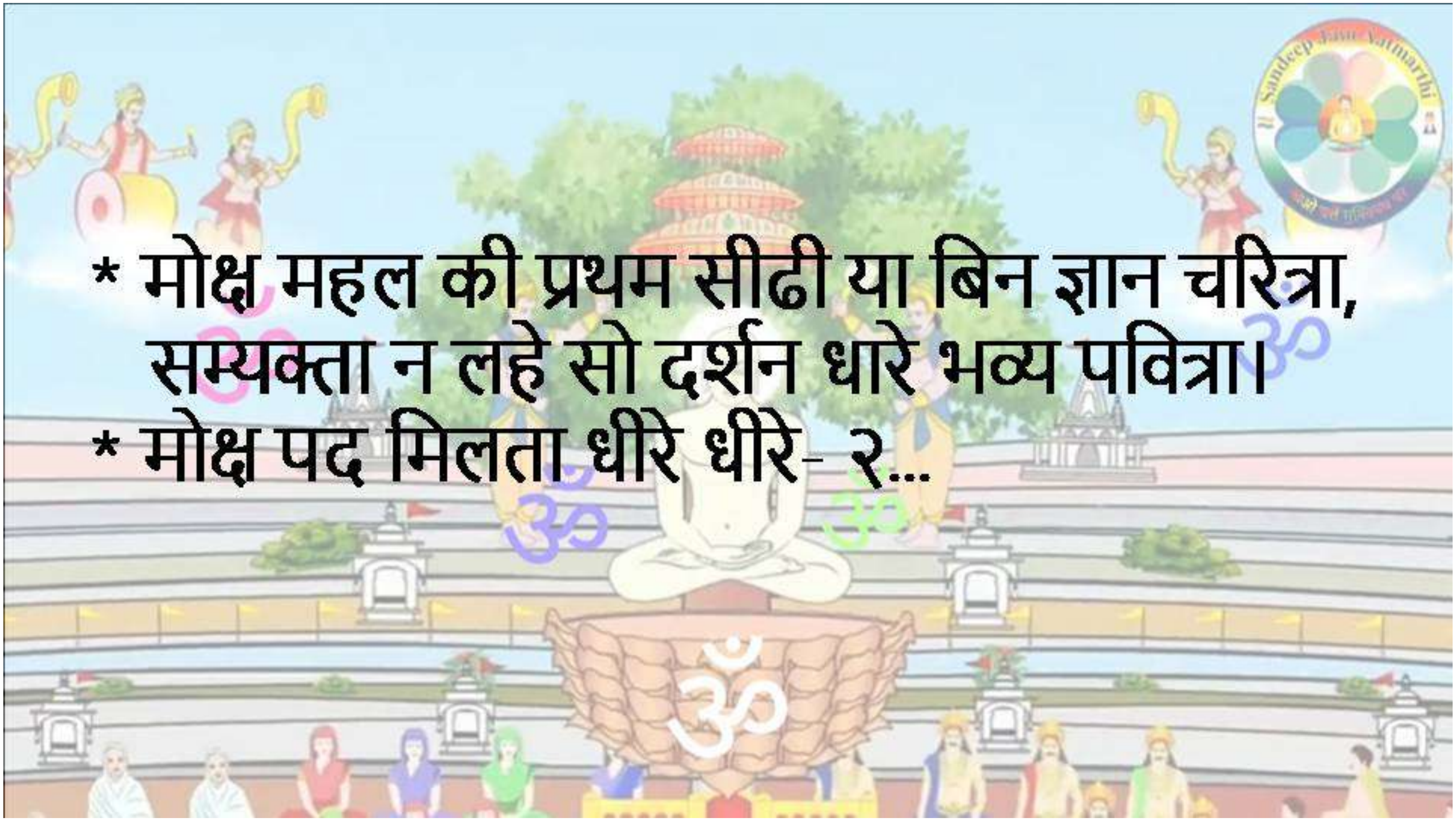
* मोक्ष महल की प्रथम सीढी या बिन ज्ञान चरित्रा,
सम्यक्ता न लहे सो दर्शन धारे भव्य पवित्रा।
* मोक्ष पद मिलता धीरे धीरे- २...

३- मुनि -संत=

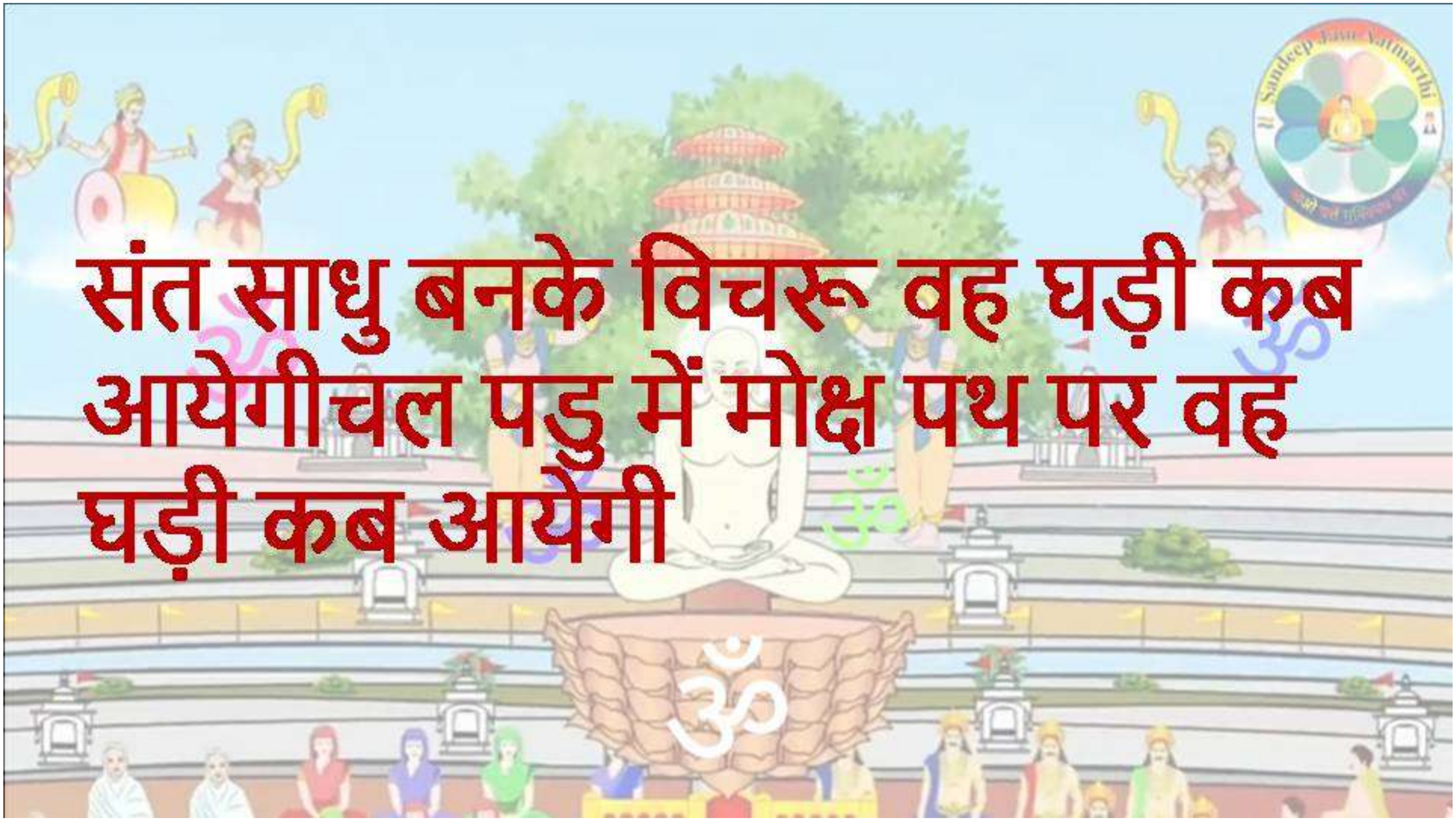
संत साधु बनके विचरू वह घड़ी कब
आयेगीचल पड़ु में मोक्ष पथ पर वह
घड़ी कब आयेगी

४ -अणुव्रती-श्रावक =

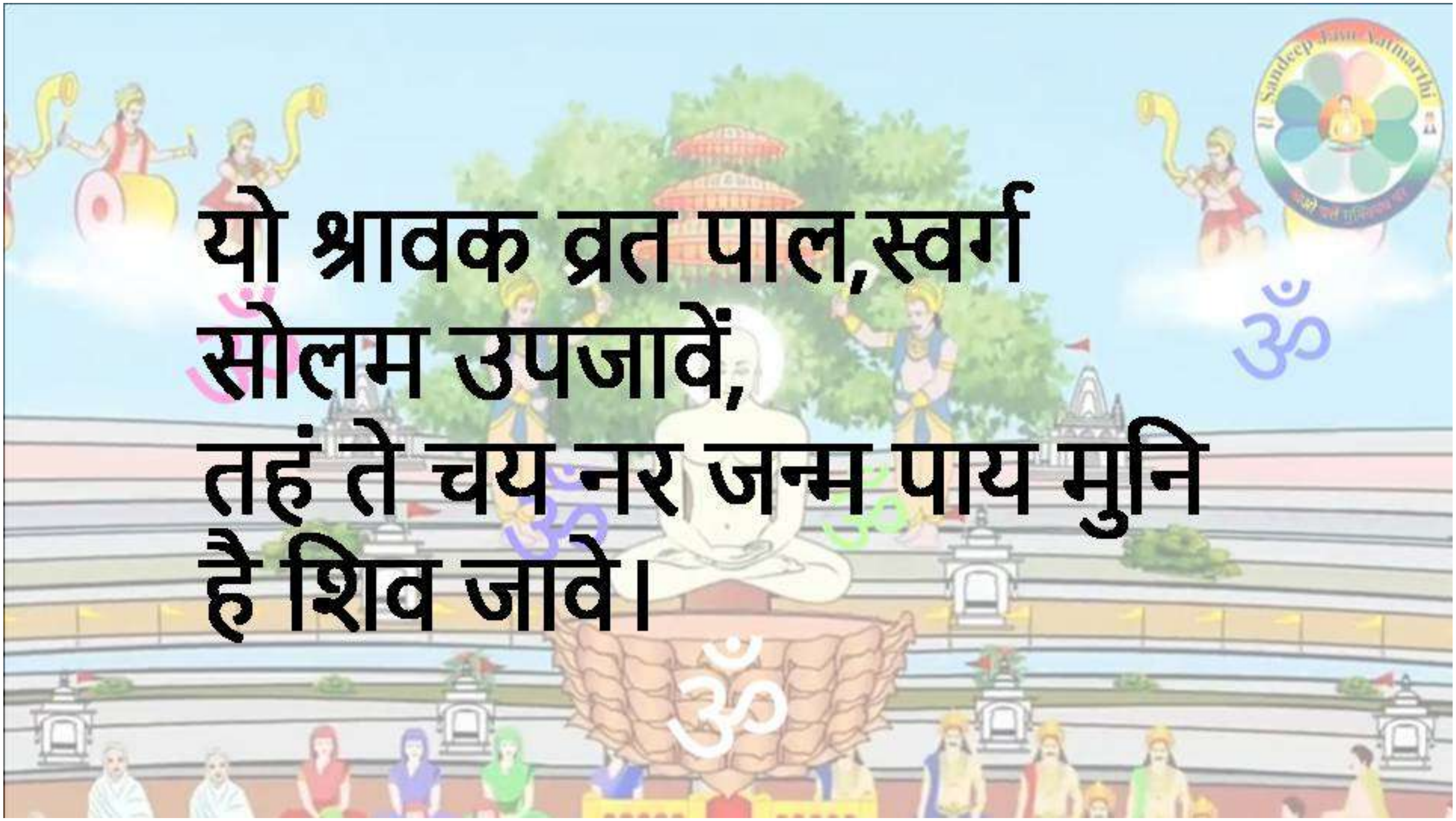
यो श्रावक व्रत पाल,स्वर्ग
सोलम उपजावें,
तहं ते चय नर जन्म पाय मुनि
है शिव जावे।

५ -इच्छा - चाह =

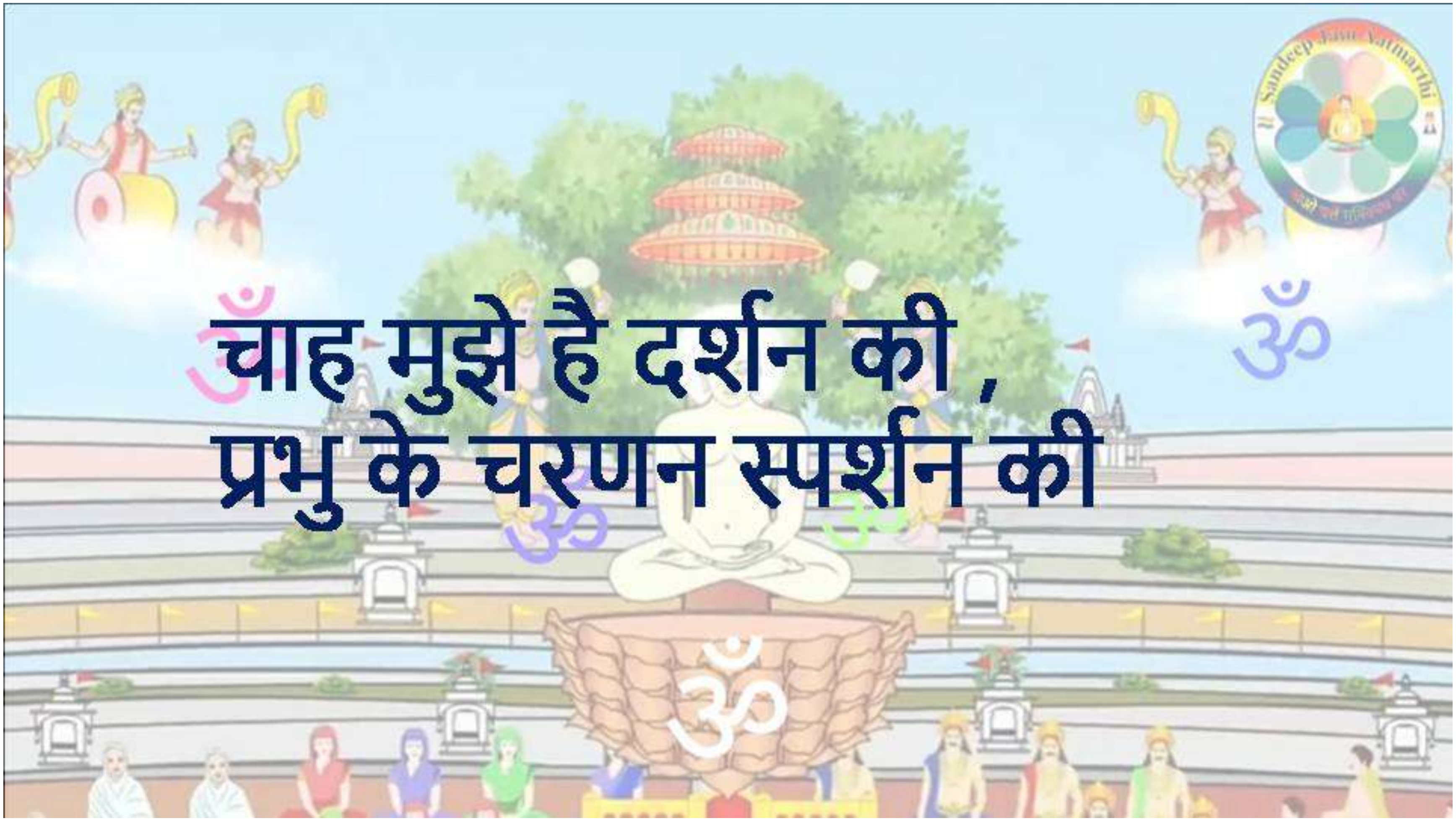
चाँह मुझे है दर्शन की ,
प्रभु के चरणन स्पर्शन की

६ -निराकुलता - शान्ति/सुख

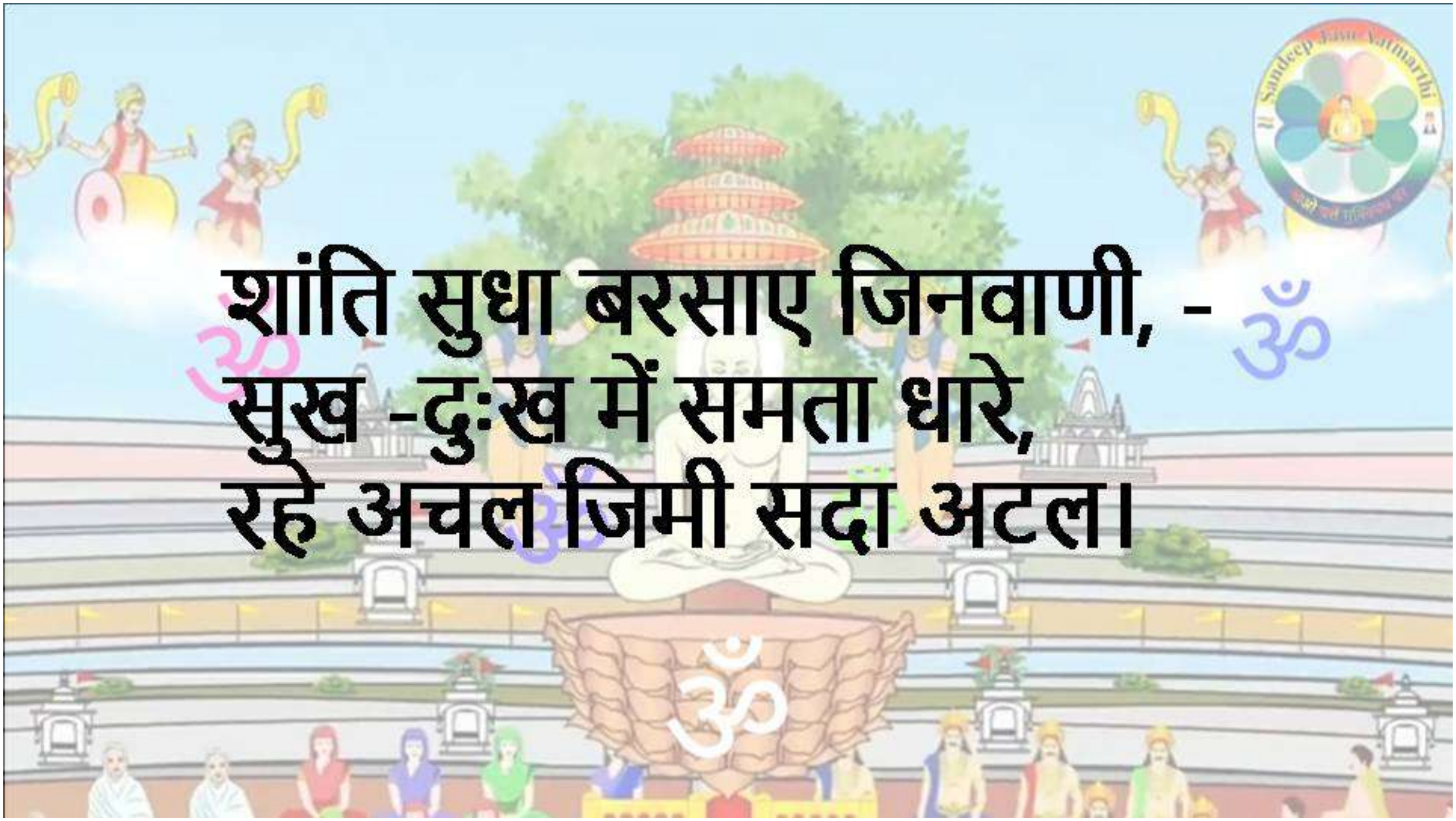
शांति सुधा बरसाए जिनवाणी, -
सुख -दुःख में समता धारे,
रहे अचल जिमी सदा अटल।

७ -विश्वास - श्रद्धा -

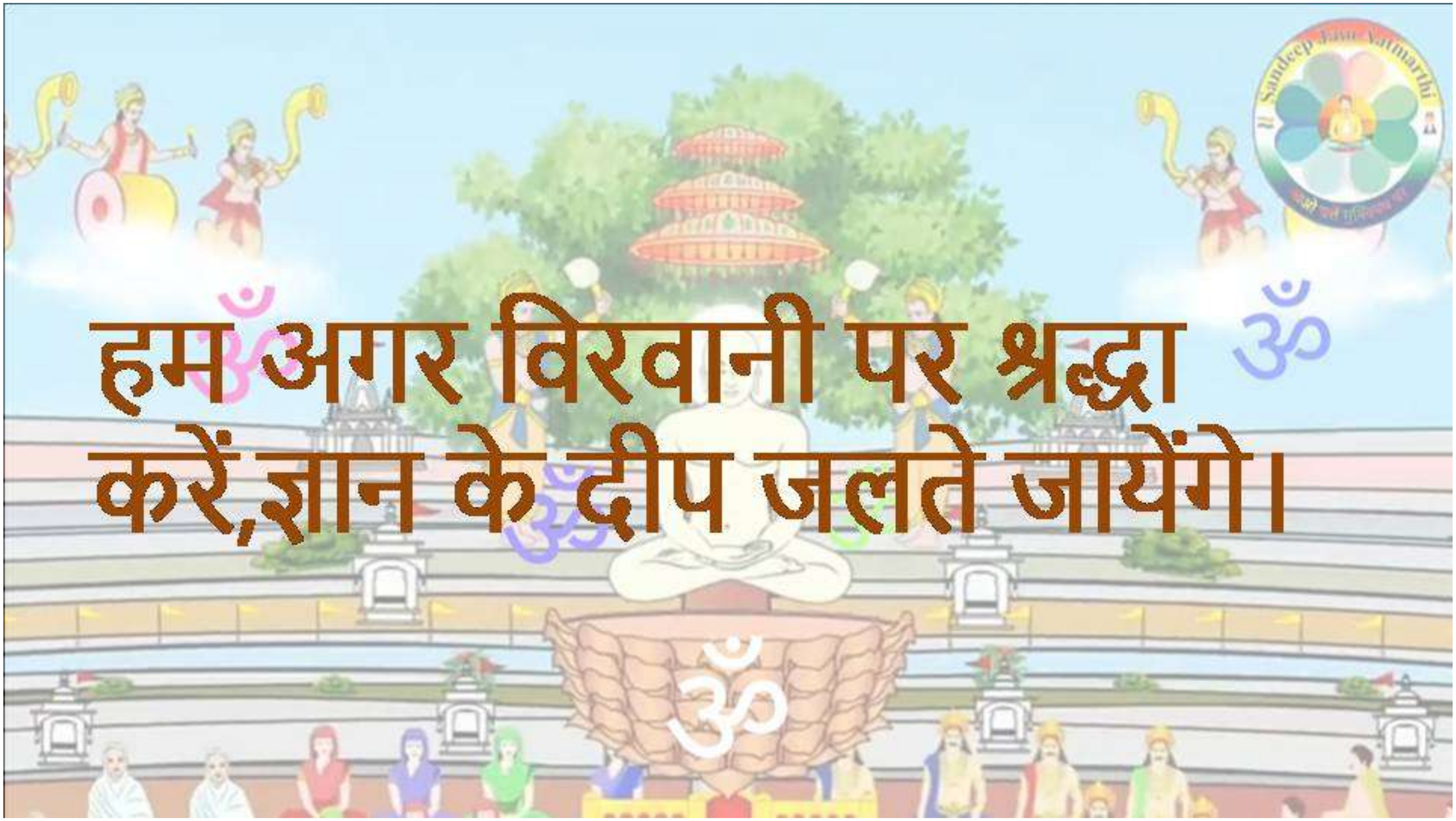
हम अगर विरवानी पर श्रद्धा
करें,ज्ञान के दीप जलते जायेंगे।

८ -जीव -आत्मा-

आत्मा हूं आत्मा,में सदा
ज्ञायक स्वभावी आत्मा।

१ -सहारा -शरण -

धन्य धन्य जिनवाणी माता,
शरण तुम्हारी आया।

१० - वर्धमान -अतिवीर /महावीर

-मेरे मन मंदिर में आन,
पधारो महावीर भगवान।
-महावीर स्वामी ओ अंतरयामी,
महावीर स्वामी मेरे अंतरयामी।

Round 5
dumb sheras